हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 21 अक्टूबर 2024

11 लोकतांत्रिक व्यवस्था में सफल चुनाव का आधार बीएलओः ओमप्रकाश यादव

12 बस स्टैंड के सामने बीच सड़क पर खड़े हो रहे ऑटो

‘कितने में लगे’ नहीं ‘आपके गांव में कितने लगे’ की चर्चा, अब कोचिंग सेंटर की होगी भरमार

- शिक्षा का हब बनने से दक्षिणी हरियाणा को मिली सर्वाधिक नौकरी
- दिवाली से पहले सीएम नायब सैनी के नाम पर जिला महेंद्रगढ़ बना रहा दिवाली, बिना खर्ची पर्ची नौकरी मिलने से गरीब तबके में जगी आस

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

दक्षिणी हरियाणा खासतौर पर महेंद्रगढ़ जिला में बिना खर्ची पर्ची के नौकरी मिलने की चर्चा इन दिनो सोशल मीडिया पर लगातार जारी है। सोशल मीडिया पर अब लोग बिना किसी राजनीति पार्टी का नाम लिए यह पोस्ट करने लगे है कि पहले ‘कितने में लगे’ नौकरी की चर्चा होती थी और अब ‘आपके गांव में कितने लगे’ की चर्चा हो रही है। महेंद्रगढ़ क्षेत्र के एक ही गांव झुक में 14 नौकरी मिलने की चर्चा जोरों पर है। बिना खर्ची पर्ची के मिली इन नौकरियों के बाद अब युवाओं में भी विश्वास जगा है और कोचिंग सेंटरों की तरफ रूख शुरू कर दिया है। पहले भी कोचिंग सेंटर बहुत थे, अब शिक्षा जगत से जुड़े लोग नए और आधुनिक कोचिंग सेंटर खोलने की तैयारियों में जुट गए है।

महेंद्रगए जिला शिक्षा का बना हब

महेंद्रगढ़ जिला का कुल क्षेत्रफल 1939.6 वर्ग किलोमीटर हैं, जिसमें से 1916.9 वर्ग किलोमीटर ग्रामीण और 22.7 वर्ग किलोमीटर शहरी क्षेत्र में आता है। 2011 की जनगणना के अनुसार महेन्द्रगढ़ जिले की जनसंख्या 9,21,680 हैं, इस समय 11 लाख से अधिक जनसंख्या का अनुमान है। गांव 374 है। सरकारी कॉलेज 11 है। जो नारनौल, महेंद्रगढ़, अटेली व नांगल चौधरी में दो-दो और कनीना, सतनाली व कृष्णनगर में एक-एक कॉलेज है। बीएड कॉलेज, डीआईईटी, पॉलीटिक्नीकल और सेंट्रल यूनिवर्सिटी है। सरकारी आईटीआई 11 व 15 निजी आईटीआई है। सरकारी स्कूलों की बात करें तो 450 प्राइमरी, 50 हाई, 94 सीनियर सेकेंडरी स्कूल है। वहीं करीब 240 प्राइवेट स्कूल है। 2011 की जनगणना के अनुसार जिला स्तर साक्षरता दर 84.80 प्रतिशत है। जिनमें पुरूष साक्षरता दर 94 प्रतिशत और महिला साक्षरता दर : 75.43 प्रतिशत है। इन 13 सालों में इस साक्षरता दर में भी बढ़ोतरी हुई है। इनके अलावा अनगिनत कोचिंग सेंटर जिला में चल रहे है। बहुत से बच्चे तो ऐसे है जो गुरुग्राम, दिल्ली, सीकर, कोटा जैसे बड़े शहरों में जाकर कोचिंग ले रहे है। यहीं कारण है कि शिक्षा से जुड़े किसी भी निजी या सरकारी महकमों का परिणाम सामने आता है तो पूरे हरियाणा में महेंद्रगढ़ जिला अपनी अलग ही छाप छोड़ रहा है। इसका असर अब पूरे दक्षिणी हरियाणा पर पड़ने लगा है।

क्या कहते है डीईओ

डीईओ संतोष चौहान ने बताया कि सभी कोचिंग संस्थानों को दिशा निर्देश जारी किए है। कोचिंग संस्थान उचित पंजीकरण करवाकर ही कोचिंग संस्थान चलाएंगे। सभी कोचिंग संस्थान पंजीकरण के समय जारी किए गए दिशा निर्देशों का दृढता से पालन करेंगे। जिसमें कि भवन सुरक्षा, छात्र सुरक्षा तथा अग्नि सुरक्षा इत्यादि मानकों का पालन करना सुनिश्चित करेंगे। पहले भी सभी कोचिंग संस्थानों को निर्देश दिए गए है कोई भी कोचिंग संस्थान विद्यालय समय में किसी भी विद्यार्थी को उनके विद्यालय से वंचित नहीं करेंगे।

यह है हरियाणा निजी कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण और विनियमन विधेयक-2024

फरवरी-2024 में हरियाणा निजी कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण और विनियमन विधेयक-2024 के तहत निजी कोचिंग संस्थान से अभिप्राय है, किसी एकल परिसर में कोई निजी कोचिंग संस्थान जिसमें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अध्ययन कार्यक्रम की व्यवस्था करवाने वाले किसी व्यक्ति या व्यक्तियों की संस्था, सोसाइटी या न्यास या कंपनी द्वारा स्थापित, संचालित या प्रशासित ट्यूशन सेंटर भी शामिल हैं, किंतु इनमें प्रतिदिन 50 छात्रों तक व्यक्तिक गृह ट्यूशन और केंद्रीय सरकार, राज्य सरकार द्वारा या किसी अन्य विनियामक निकाय द्वारा मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों द्वारा संचालित नियमित पाठ्यक्रम शामिल नहीं है। प्रत्येक जिला स्तर पर निजी कोचिंग संस्थान को पंजीकृत और विनियमित करने के लिए कमेटी होगी। जिसमें उपायुक्त अध्यक्ष है। वहीं पुलिस अधीक्षक, जिला नगर आयुक्त, जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी व जिला शिक्षा अधिकारी सदस्य है। वहीं अध्यक्ष की ओर से एक लेखा अधिकारी, एक राजकीय महाविद्यालय का प्रधानाचार्य व निजी कोचिंग संस्थानों में से ड्रा ऑफ लॉटस द्वारा चुने जाने वाले दो प्रतिनिधि भी सदस्य होंगे। जिला स्तर पर शिकायत निवारण प्रकोष्ठ का गठन करना है। किसी निजी कोचिंग संस्थन द्वारा किसी विशेष परीक्षा में चयनित छात्रों की संख्या सहित भ्रामक विज्ञापनों और मिथ्या दावों के अनाचार पर अंकुश लगाना होगा। हरियाणा के भीतर अपनी शाखा रखने वाले निजी कोचिंग संस्थन को ऐसी शाखा के लिए अलग से पंजीकरण प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा। डीईओ को मांग पत्र देते वक्त एसोसिएशन से जुड़े राजकुमार यादव एडवोकेट, तेजवीर यादव, कमल संघी, सियाराम यादव व अतरसिंह यादव मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

महिला घर से अचानक लापता, केस दर्ज

महेंद्रगढ़। सदर थाने के एक गांव से संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला घर से लापता हो गई। वह अपने बच्चों को पति के पास छोड़कर चली। महिला के पति ने पुलिस थाने में शिकायत देकर उसकी तलाश करने की मांग की हैं। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि वह मेहनत मजदूरी का काम करता है। उसकी शादी 2019 में हुई थी। 2022 में उसके एक लड़का हुआ। उसकी पत्नी 13 अक्टूबर को अपनी बुआ और फूफा के साथ आई थी।

घर से दुकान जाने के निकला व्यक्ति लापता

कनीना। कनीना में घर से दुकान जाने के लिए निकला एक व्यक्ति लापता हो गया। इस बारे में योगेंद्र ने शिकायत में बताया कि उसका भाई वीरेंद्र 18 अक्टूबर को घर से दुकान जाने के लिए निकला था, जो न ही दुकान पर पहुंचा और न ही घर वापस लौटकर आया। चिंतित परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। उसका मोबाइल फोन भी बंद है। पुलिस ने केस दर्ज कर लापता व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी है।

गत एक पखवाड़ा से सवेरे से ही काटनी शुरू कर दी जाती है बिजली आपूर्ति

पोल बदलने के लिए सिटी-5 की रोजाना बिजली काट रहा निगम, आमजन परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

गोपाल गोशाला रोड पर बिजली के खंभों को हटाकर टावर पोल लगाने की वजह से आजकल सीटी-5 की बिजली जमकर काटी जा रही है। इस सड़क के बीचोंबीच खड़े 23 पोल की जगह टॉवर पोल लगाए जा रहे हैं, जिसके लिए बिजली रोजाना ही काटी जा रही है। इससे आमजन तो परेशान हैं ही। साथ में दुकानदार भी रोजीरोटी प्रभावित होने से नाराज हैं। सवेरे पांच-छह बजे ही बिजली काटना शुरू कर दिया जाता है और यह सिलसिला दोपहर तक जारी रहता है। इस कारण लोगों का आधा दिन बिना बिजली के चौपट हो जाता है तथा उनमें बिजली निगम के खिलाफ रोष पनप रहा है।

- लोगों को परेशानी, दुकानदारों की दुकानदारी भी हो रही ठप

बता दें कि नगर परिषद ने हाल ही छलक नाले के बराबर पुलिस लाइन, गोपाल गोशाला रोड पर नई सीसी सड़क का निर्माण करवाया है। इस सड़क का निर्माण होने के साथ ही बिजली निगम ने यहां पहले से लगे बिजली के खंभों को बदलकर उनकी जगह टॉवर पोल लगाने शुरू कर दिया है। यह कार्य पिछले सोमवार से लगातार किया जा रहा है, लेकिन अब तक काम पूरा नहीं हो पाया है। बिजली के खंभों को बदलने के लिए बिजली निगम आए दिन बिजली

नारनौल। गोशाला रोड पर पोल बदलने का काम करते हुए। फोटो : हरिभूमि

कट लगाता रहता है। यह कार्य करीब एक पखवाड़ा पहले शुरू किया गया था, लेकिन पिछले सोमवार से यह कार्य निरंतर जारी है और रेगुलर बिजली कट लगाए जा रहे हैं। सवेरे जब लोग सोकर उठते हैं तो उन्हें रोजाना ही बिजली गुल मिलती है। यहीं से उनके टेंशन भरे दिन की शुरूआत हो जाती है। सवेरे सवेरे ही लोगों को नहा धो तैयार होकर ऑफिस, दुकान या अन्य कार्यों से घर से बाहर निकलना होता है, लेकिन सवेरे ही बिजली नहीं होने के कारण वह पानी नहीं भर पाते हैं। जिन घरों में वाटरटैंक बने हुए हैं, उन्हें वाटरटैंकों की मोटर चलाकर छतों पर पानी चढ़ाने में परेशानी होती है। इस कारण लोगों को सुबह शौचालय जाने एवं नहाने धौने में भी परेशानी होती है। इसके साथ ही नल आने का समय भी सुबह ही होने के कारण वह घरों का पानी भी नहीं भर पाते हैं तथा परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिन घरों में इनवेटर की सुविधा मौजूद नहीं है और बिजली आपूर्ति पर ही निर्भर करते हैं, उन घरों के लोगों को अपने मोबाइल फोन तक रिचार्ज करने में परेशानी होती है। सबसे ज्यादा बुरा असर दुकानदारों की रोजीरोटी पर पड़ रहा है। आटा चक्की, खराद, बिजली पंखा मिस्त्री, हलवाई, साइबर कैफे, कपड़ा प्रेस, इलेक्ट्रोनिक सामान बेचने वाले लोगों समेत अनेक ऐसे व्यवसायी हैं, जो बिजली आपूर्ति पर निर्भर करते हैं और बिजली नहीं होने कामधंधा ठप होने से परेशान हो जाते हैं।

यह एरिया आता है सिटी-5 में

सिटी-5 शहर की पुलिस लाइन, मालवीय नगर, कैलाश नगर गली नंबर 18 से, मोड़ावाला मंदिर, आदर्श नगर, महाराणा प्रताप नगर, पीजी कॉलेज, मार्कशीद, रावका, बास, रेवाड़ी रोड श्मशान घाट एवं नागरिक अस्पताल समेत काफी हिस्सा इसी सिटी-5 के अधीन आता है और जब सिटी 5 में बिजली कट की जाती है तो इन सारे एरिया के लोग परेशान हो जाते हैं।

स्वीच यानि ट्रांसफार्मरों की भी है भारी कमी

कमाल की बात यह है कि सिटी 5 के अधीन शहर का एरिया काफी अधिक आता है, लेकिन इस एरिया में ट्रांसफार्मरों की भारी कमी है। कोई वीआईपी नहीं होने के कारण यह समूचा एरिया रामभरोसे ही रहता है और जब कभी बिजली निगम कट लगाता है या अन्य कोई तकनीकी खराबी आ जाती है या आंधी तूफान से पावर कट लगता है तो समूचे इलाके में एकसाथ पॉवर कट लगता है, क्योंकि निगम ने यहां एरिया को बांटने के लिए कोई स्वीच या ट्रांसफार्मर नहीं लगा रखे हैं, जिससे आधा या उससे चौथाई हिस्सा ही प्रभावित हो। जब नागरिक अस्पताल में बिजली मरम्मत काम चलता है, तब भी पूरे एरिया की बिजली एकसाथ काटी जाती है। बिजली निगम यहां की गरीब जनता की रुहाई दुहाई सुनने वाला भी नहीं है और कई दशकों से यही हाल बना हुआ है।

यह बोले अधिकारी

बिजली निगम के कनिष्ठ अभियंता सुनील कुमार ने बताया कि आजकल गोपाल गोशाल रोड पर सड़क के बीच खड़े खंभों को हटाकर टॉवर पोल लगाए जा रहे हैं। इस कारण सवेरे जल्दी ही कट लगाना पड़ रहा है, ताकि लोगों का पूरा दिन खराब न हो। अब दीपावली नजदीक आने के चलते एक दो दिन और काम चलाया जाएगा। इसके बाद बाकी का काम दीपावली के बाद किया जाएगा, ताकि लोगों की दुकानदारी ठप न हो। तब तक लोगों को धैर्य से काम लेना होगा और विभाग का सहयोग करते हुए शांति बनाए रखनी होगी।

बदले जाने हैं 23 पोल

जानकारी मुताबिकल गोशाला रोड छलक नाला के साथ सड़क के बीचोंबीच करीब 23 बिजली के पोल खड़े हैं, जिनकी जगह टॉवर वाले पोल खड़े किए जा रहे हैं। इन पोलों को बदलने के लिए एक पखवाड़ा से काम चल रहा है और लोग आए दिन बिजली कटों को ढोह रहे हैं।

एटीएम कार्ड बदलकर खाते से निकाले 22 हजार रुपये

महेंद्रगढ़। शहर के चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क के सामने एक एटीएम से रुपये निकलवाने आए व्यक्ति का एटीएम कार्ड बदलकर 22 हजार रुपये उड़ा लिए। पीड़ति ने सिटी पुलिस थाने में शिकायत देकर आरोपित को पकड़ने की मांग की है। पुलिस ने पीड़ति की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर के मोहल्ला सैनीपुरा निवासी रमेश चंद में पुलिस में दी शिकायत में बताया कि वह 19 अक्टूबर को हुडा पार्क के सामने पीएनबी बैंक के एटीएम बूथ से पैसे निकलवाने के लिए गया था। एटीएम बूथ में एक व्यक्ति मेरे आने से पहले खड़ा हुआ था। उसने अपना एटीएम कार्ड मशीन में लगाया दिया तो वहां पर खड़े हुए व्यक्ति ने कहा कि आपने एटीएम कार्ड गलत तरीके से मशीन में लगा दिया है। उसी समय वहां खड़े हुए व्यक्ति ने अपने हाथ से मेरा एटीएम कार्ड मशीन से निकाल कर अपने हाथ में ले लिया और एटीएम कार्ड बदलकर मशीन में लगा दिया। उसके बाद एटीएम मशीन से रुपये निकालने की कोशिश की, लेकिन कोई रुपये नहीं निकला। उसके बाद वह वहां से चला गया। कुछ देर बाद मुझे एक मैसेज आया, जिसमें 17 हजार रुपये और उसके कुछ समय बाद 5 हजार रुपये मेरे खाते से निकालने के मैसेज मिला। मेरे खाते से टोटल 22 हजार रुपये निकल गए। जिस पर मुझे शक होने पर मैंने अपना एटीएम कार्ड चेक किया तो एटीएम कार्ड बदला हुआ मिला। रमेश चंद ने पुलिस से आरोपित को पकड़ने व रुपये बरामद करने की मांग की हैं।

पीरआगा में युवती के गले की चेन तोड़ बदमाश फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

शहर में चेन स्नेचरों के हौसले बुलंद हैं, जबकि पुलिस करीब आधा दर्जन चेन स्नेचिंग की वारदात होने के बावजूद महज लिखा पढ़ी तक सीमित है और अब तक एक भी चेन स्नेचर को नहीं पकड़ पाई है। स्नेचिंग की गई चेन बरामद करना तो पुलिस के लिए दूर की कौड़ी नजर आती है। इससे लोगों में रोष है।

जानकारी मुताबिक शहर के मोहल्ला पीरआगा में दोपहर करीब दो बजे दिन दहाड़े बाइक सवार दो युवकों ने एक युवती की चेन तोड़ ली। युवती पीरआगा स्थित अपने घर से करीब 100 मीटर दूरी पर ही थी, तभी एक स्पलेंडर बाइक पर दो युवक सवार होकर आए तथा एकाएक चेन तोड़कर फरार हो गए।

नारनौल। सीसीटीवी में दिखाई दे रहे बाइक सवार चेन स्नेचर व घटना की जानकारी मौके से जुटाती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

इससे मोहल्ला में शोर मच गया और घटनास्थल पर अनेक लोग एकत्रित हो गए। सूचना मिलने पर कुछ ही देर में पुलिस भी पहुंच गई। डायल 112 से लेकर सीटी पुलिस एवं सीआईए पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची तथा जायजा लिया, लेकिन चेन स्नेचर पुलिस के हाथ नहीं लगे। इससे पहले भी शहर में विभिन्न मार्गों पर करीब आधा दर्जन चेन स्नेचिंग की वारदात हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस अब तक एक भी वारदात का खुलासा नहीं कर पाई है। हालांकि अब घटित पीरआगा की वारदात में काफी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, लेकिन पुलिस के हाथ कुछ नहीं लगा। पुलिस ने पीड़ित युवती से संबंधित चेन स्नेचरों की जानकारी जुटाने का प्रयास किया। चेन स्नेचर एक ही बाइक पर सवार थे, जिनमें से बाइक चला रहे युवक ने हेलमेट पहना हुआ था, जबकि पीछे बैठा युवक बिना हेलमेट था। बाइक की नंबर प्लेट भी नहीं थी और वह एकदम से चेन तोड़कर वहां से फरार हो गए। हालांकि वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई।

करवाचौथ पर्व पर बाजारों में भी दिखाई दी रौनक, चीनी से बने करवों की हुई बिक्री

महिलाओं ने व्रत रख की पतियों की लंबी उम्र की कामना

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

करवाचौथ पर्व रविवार को महिलाओं ने हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में भी महिलाओं ने उपवास रखा। वहीं चीनी के करवों व प्रजापतों की ओर से बनाए गए मिट्टी के करवों को रखकर महिलाओं ने एक समूह में सुबह से दोपहर तक कहानियां सुनीं व एक-दूसरे को व्रत की बधाई दी। महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र की कामना करते हुई उपवास किया। महिलाओं ने अनेक प्रकार के वस्त्र पहनकर अपने पतियों का स्वागत किया।

वहीं दूसरी ओर करवाचौथ पर्व पर बाजारों में भी रौनक दिखाई दी। करवाचौथ का व्रत होने के कारण चीनी से बने करवों की जमकर बिक्री हुई। एकल परिवार की महिलाओं ने घरों में कहानियां सुनी। महिलाओं ने अपने सुहाग की रक्षा के लिए भगवान गणेश की पूजा की, साथ ही व्रत की कथा सुनकर अपने पति की लंबी आयु की कामना की।

महिलाएं श्रृंगार कर नये नये परिधानों में नजर आई। महिलाओं ने घर में बैठकर करवाचौथ व्रत की कथा कहानी सुनी। रात्रि के समय छलनी से चांद के दर्शन किए और पति की लंबी उम्र की कामना करते हुए व्रत खोला। इसके साथ ही अनेक पतियों ने भी पत्नी की लंबी उम्र के लिए करवा चौथ का व्रत रखा। जिन महिलाओं के पति दूसरे राज्यों या कहीं बार काम कर रहे हैं। उन्होंने मोबाइल पर वीडियो कॉलिग के सहारे पति का दीदार कर व्रत खोला।

नारनौल। करवाचौथ के व्रत पर कहानी सुनती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

छलनी से किया चांद का दीदार

पति पत्नी के प्रेम का प्रतीक करवाचौथ का पर्व धूमधाम से मनाया गया। महिलाओं ने शुभ संयोग में पति की दीघार्यु की कामना की। पति की लंबी उम्र की कामना के साथ महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखा व शाम को चांद निकलने पर पूजा करने के बाद अन्न जल ग्रहण किया। महिलाओं ने छलनी से चांद का दीदार किया।

करवा की दुकानों पर दिखी भीड़

करवाचौथ का व्रत के चलते दिनभर बाजार में महिलाएं व पुरुष करवा खरीदते दिखाई दिए। जिसके चलते दिनभर बाजार में महिला व पुरुषों की भीड़ रही। इसके अतिरिक्त महिला व पुरुषों ने कपड़ों व अन्य सामान की जमकर खरीददारी की।

बाजारों में जमकर हुई बिक्री

करवाचौथ के व्रत के चलते बाजारों में गिफ्ट, आभूषण व साड़ियों की जमकर बिक्री हुई। धार्मिक मान्यता के अनुसार सुहागिन महिलाओं ने व्रत की दो रोज पहले से ही तैयारियां आरंभ कर दी थी। मेहंदी लगवाने व ब्यूटी पार्लर जाकर सजने संवरने की तैयारियां हो गई थी। व्रत के चलते महिलाओं ने दिनभर निराहार रहकर रात को चांद के दर्शन कर अर्घ देने के बाद भोजन किया।

मंडी अटेली। करवाचौथ के व्रत कहानी सुनती हुई महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

अटेली क्षेत्र में धूमधाम से मनाया करवाचौथ का व्रत

मंडी अटेली। क्षेत्र में करवा चौथ का व्रत रविवार को धूमधाम से मनाया गया। पति की लम्बी उम्र की कामना को लेकर सुहागिनों ने उपवास किया तथा दोपहर बाद पूजा अर्चना कर कहानियां सुनी। इस व्रत को लेकर सुहागिनों ने 16 सिंगार किया। इस अवसर पर फलों की कीमत में भी उछाल रहा। मिठे करवे, माटी के करवे के साथ साथ मिठाईयों की भी जमकर खरीदारी हुई। दिनभर व्रत रखने वाले परिवारों में शाम के खाने में पनीर की मांग भी बढ़ी रही।

धोखाधड़ी मामले में महिला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

धोखाधड़ी कर गैस एजेंसी में सेल के रुपयों का गबन करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना नांगल चौधरी पुलिस ने एक महिला आरोपिता को गिरफ्तार किया है। जिससे मामले में पूछताछ की गई। मामले में मुख्य आरोपित ललित वासी चैकमलिकपुर की ढाणी थाना नांगल चौधरी को पुलिस ने पहले गिरफ्तार कर लिया था, जिससे पूछताछ में पुलिस ने एक लाख रुपये बरामद किए थे। जांच में पुलिस ने पता लगाया कि आरोपित ने गैस एजेंसी से धोखाधड़ी कर गबन किए रुपये ब्याज पर दे दिए थे।

शिकायतकर्ता सुरेन्द्र कुमार वासी गांव राता खुर्द अटेली ने थाना नांगल चौधरी में धोखाधड़ी कर गबन करने की शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि नांगल चौधरी के अंदर उसने गैस सर्विस सन 2010 से कर रखी है, जो गैस एजेंसी पर ऑफिस में चार कर्मचारी कार्य करते हैं। इनमें से ललित वासी चैकमलिकपुर की ढाणी थाना नांगल चौधरी भी कार्यरत है और सितम्बर 2021 से गैस एजेंसी पर कार्य कर रहा है। गैस एजेंसी का लेखा जोखा ललित के पास ही रहता था, जो दिसंबर 2023 का गैस एजेंसी का ललित से हिसाब मांगा तो हिसाब करने पर पता चला कि कैश सेल से 722768 रुपये व ऑनलाइन ट्रांजेक्शन में से 32976 रुपये ललित ने उसको ना देकर अपने पास रख लिए।

शिकायतकर्ता ने बताया कि यह रुपये ललित ने बदनीयती से अमानत में खयानत कर दी। इसके बाद ललित रुपये देने के लिए कहता रहा, लेकिन न तो गैस एजेंसी पर कार्य कर रहा था और न ही रुपयों का हिसाब किताब दे रहा था। शिकायत में उसने बताया कि कुल 892892 रुपयों का ललित ने धोखाधड़ी करते हुए गबन कर लिया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जिंदगी को आसान नहीं बल्कि
खुद को मजबूत बनाना पड़ता है।
सही समय कभी नहीं आता
बस समय को सही बनाना पड़ता है।
- डा. एपीजे अब्दुल कलाम

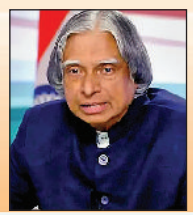

लगातार तीन दिन से हो रही बारिश ने सुमित्रा की मुश्किलें बढ़ा दी थी। घर का सारा राशन समाप्त हो चुका था। छोटे बेटे की तबियत और खराब हो गयी थी। मजदूरी के पैसे भी खत्म हो चुके थे। किससे मदद मांगे। भूख के मारे बच्चों की हालत खराब हो चुकी थी। पीपे को खोलकर देखा तो उसमें थोड़े से चावल पड़े थे लेकिन वह पर्याप्त नहीं थे।

कहानी

प्रवीन वर्मा 'राजन'

देवता

सभी मजदूरों के साथ सुमित्रा और कम्मो भी मुंशी के सामने इकठ्ठा हो गए।

मुंशी ने कहा- 'देखो, बारिश रुकने का नाम नहीं ले रही है। इससे काम ठीक से नहीं हो पा रहा है। तुम लोग अपना हिसाब कर लो, अब बरसात बाद ही काम शुरू हो पायेगा।' मुंशी ने सबको उनकी मजदूरी दे दी।

सुमित्रा और कम्मो भी बुझे मन से सभी मजदूरों के साथ अपने घर लौट गईं। सुमित्रा विधवा और तीन बच्चों की मां थी और बहुत ही गरीब थी। मजदूरी करके अपना और अपने बच्चों का पेट पालती थी। मगर इस बरसात ने सुमित्रा की कमर तोड़ दी थी। करमजली बरसात भी बंद होने का नाम नहीं ले रही- मन ही मन बुदबुदाई सुमित्रा। 'अम्मा तिरपाल से पानी टपक रहा है।'

'हां बिटिया,सुमित्रा फ़टे हुए तिरपाल को देखकर बोली।' पन्नी, बांस, तिरपाल तानकर किसी तरह अपना छोटा सा आशियान बनाया था। उस पर भी नगर निगम वाले जब तब गिरा देते थे। लगातार तीन दिन से हो रही बारिश ने सुमित्रा की मुश्किलें बढ़ा दी थी। घर का सारा राशन समाप्त हो चुका था। छोटे बेटे की तबियत और खराब हो गयी थी। मजदूरी के पैसे भी खत्म हो चुके थे। किससे मदद मांगे। भूख के मारे बच्चों की हालत खराब हो चुकी थी। पीपे को खोलकर देखा तो उसमें थोड़े से चावल पड़े थे लेकिन वह पर्याप्त नहीं थे। थोड़ी सी लकड़ियां बची थीं, चूल्हा जलाने के लिए। किसी तरह चूल्हा जलाकर भात बनाया और बच्चों को खिलाने लगी।

बड़ी बिटिया बोली- 'अम्मा मुझे भूख नहीं है, छोटे और दीनू को खिला दो।'

सुमित्रा जानती थी कि मुसीबतों ने नौ साल की बिट्टो को समय से पहले ही बड़ा कर दिया। थोड़े से भात से छोटे और दीनू का पेट न भर सका।

'अम्मा नमक भात से अब पेट नहीं भरता, सब्जी दाल कब बनाओगी।' सुमित्रा की तरफ हसरत भरी निगाहों से देखते हुए दीनू ने कहा!

'कल हम लोग दाल बनाएंगे।'सुमित्रा ने दिलासा दी। आज तो किसी तरह समझा-बुझाकर दोनों बच्चों को सुला दिया। कल क्या होगा? बिट्टो और खुद भूखी ही लेट गयी। सुमित्रा की आंखों से नींद कोसों दूर थी। बच्चों के भूख से बिलखते चेहरे को याद करते-करते कब सुबह हो गयी, पता ही नहीं चला।

बिट्टो ने जगाया और कहा, 'अम्मा छोटे की तबियत और बिगड़ गयी।'

सुमित्रा भागकर छोटे के पास गई और उसे गोदी में उठाकर रोने लगी। बुखार से उसका शरीर तप रहा था। बरसात बंद होने का नाम नहीं ले रही। सुमित्रा की समझ में नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। मजदूरों की कोई सुध भी लेने वाला नहीं। सुमित्रा को कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था। वह भागकर थोड़ी ही दूरी पर रह रही कम्मो के घर गयी। दरवाजा खटखटाया।

कम्मो ने दरवाजा खोला और बोली, 'अरे सुमित्रा क्या हुआ?' सुमित्रा ने रोते हुए कहा, 'घर में खाने को कुछ नहीं है। पैसे भी नहीं हैं कि कुछ खरीद सकूं। छोटे की तबियत बहुत खराब है। मेरी थोड़ी मदद कर दे।'

'मेरे पास भी एक दो दिन की व्यवस्था है। अगर मैं तुझे दे दूंगी तो मेरा परिवार क्या करेगा'। साफ मना कर दिया कम्मो ने।

'...तो मैं क्या करूँ बताओ, कोई काम ही दिलवा दो', लगभग हाथ जोड़ते हुए सुमित्रा ने कहा।

'इस बरसात में हम मजदूरों को कौन काम देगा। ...हां, एक उपाय है, अगर तू कर सके तो बोल।'

'कौन सा उपाय' सुमित्रा बोली?

'वो जो छोटे ठेकेदार साहब हैं, यहीं पास ही उनका घर है। उनके घर जा, वो जो कहे वो कर देना बस। समझो तेरा दुख दूर हो गया।'

'क्या करना होगा मुझे'-सुमित्रा ने पूछा।

'अब इतनी भोली भी मत बन', कम्मो ने क्रोधित होते हुए कहा।

'मैं सही में नहीं समझी कम्मो। तू साफ-साफ बता।'

'उनकी इच्छा पूरी कर देना बस, वो तुम्हारी गरीबी दूर कर देंगे।'

'ये क्या कह रही है तू, मदद नहीं कर सकती तो गलत सलाह तो मत दे', लगभग चीखते हुए सुमित्रा ने कहा और वहां से भागकर अपने घर आ गयी।

बिट्टो ने पूछा- 'अम्मा कुछ खाने को लायी क्या? दीनू और छोटे बहुत भूखे हैं।'

'जी, मुझे कम्मो ने भेजा है, मेरे पास खाने को अन्न का एक दाना नहीं है। बेटे की तबियत बहुत खराब है। तीन दिन से हम लोगों ने कुछ भी नहीं खाया है। आप मेरी मदद कर दो। इसके बदले में आप चाहे मेरे साथ कुछ भी कर लो।' एक सांस में ही इतना कहकर सुमित्रा ने अपनी साड़ी उतारनी शुरू कर दी।
'अरे ये क्या कर रही हो ? तुम पागल हो गयी हो क्या? ठेकेदार साहब चिल्लाए।

सुमित्रा ने अपना सिर न में हिला दिया। क्या करें क्या न करे। इसी उधेड़बुन में शाम हो गयी। वह किराने की दुकान पर कुछ सामान लेने गयी। पिछला उधार होने के कारण उसने भी भगा दिया। रात हो गयी किसी ने मदद नहीं की। बच्चे भूख से बिलख रहे थे। उसने खुद और बिट्टो ने दो दिन से कुछ नहीं खाया था। बरसात रुकने का नाम नहीं ले रही थी। सुमित्रा स्वाभिमानी औरत थी, जिस्म का सौदा उसे मंजूर नहीं था।

लेकिन छोटे की बीमारी, भूख, टपकता तिरपाल आज उसे अपने स्वाभिमान से समझौता करने को मजबूर कर रहा था। उसका मन उसे धिक्कार रहा था कि तू कैसी मां है, जो बच्चों की भूख भी नहीं मिटा सकती। अचानक आंसू पोछकर वह उठी और बिट्टो से बोली, 'बिट्टो तू छोटे का ख्याल रख , मैं कुछ खाने को लेकर आती हूं।

'अम्मा जल्दी आना, बहुत भूख लगी है।'

सुमित्रा भारी मन से कम्मो के बताए पते पर चल दी। थोड़ी ही देर में वह उस घर के सामने खड़ी थी। दरवाजा खटखटाया तो एक बूढ़े ने दरवाजा खोला और पूछा- 'क्या हुआ, किससे मिलना है?'

'जी बाबू जी से', सुमित्रा बोली।

'अंदर आओ, तुम तो पूरी तरह भीग गयी हो। ये लो अंगौछा, इससे सूखा लो खुद को।'

अंदर से आवाज आई, - 'कौन है काका?'

'आपसे मिलने आयी है ,भेज दूं' बूढ़े काका ने कहा।

'भेज दो।'

'जाओ बिटिया।'

बिटिया शब्द सुनकर सुमित्रा को कुछ अपनापन महसूस हुआ। सकुचाते हुए सुमित्रा अंदर चली गयी। एक बड़े से हाल में चश्मा लगाए ठेकेदार साहब बैठे थे। उन्होंने पूछा, 'कौन हो तुम और हमसे क्या काम है?

'जी, मुझे कम्मो ने भेजा है, मेरे पास खाने को अन्न का एक दाना नहीं है। बेटे की तबियत बहुत खराब है। तीन दिन से हम लोगों ने कुछ भी नहीं खाया है। आप मेरी मदद कर दो। इसके बदले में आप चाहे मेरे साथ कुछ भी कर लो।' एक सांस में ही इतना कहकर सुमित्रा ने अपनी साड़ी उतारनी शुरू कर दी।

'अरे ये क्या कर रही हो ? तुम पागल हो गयी हो क्या? ठेकेदार साहब चिल्लाए।

'बाबू जी मेरे पास आपको देने के लिए इसके अलावा कुछ भी नहीं है।'सुमित्रा बोली।

'पहले अपनी साड़ी पहनो' - ठेकेदार साहब बोले। 'तुमको किसने ये सब बताया?'

'जी कम्मो ने।' सुमित्रा बोली।

'किसी की मजबूरी का फायदा उठाना मेरे संस्कारों में नहीं है। मैं कोई ऐसा वैसा आदमी नहीं हूँ। तुमको किसी ने गलत जानकारी दी है।' फिर उन्होंने काका को आवाज दी।

'जी, साहब जी।'काका बोले।

'काका, इसको कुछ खाने को दे दो और ये कुछ बुखार की दवाइयां पड़ी है वो भी दे दो।' काका ने एक बड़े टिफिन में ढेर सारा खाना और दवाइयां सुमित्रा को दीं।

सुमित्रा की समझ में नहीं आ रहा था कि कम्मो ने जिस आदमी के विषय में क्या बताया था, वह तो देवता निकले।

खाना लेकर सुमित्रा जैसे ही निकलने लगी। बाबू जी ने कहा- 'रुको।' एकदम से सहम गयी सुमित्रा। पास आकर बाबू जी बोले, 'अपना नाम तो तुमने बताया ही नहीं।'

'जी.. सुमित्रा।'

'देखो सुमित्रा, मेरे घर में मैं और काका ही रहते हैं। काका भी अब बूढ़े हो गए हैं। इनसे घर का काम ठीक से नहीं हो पाता। अगर तुम्हारा मन हो तो मेरे घर का काम कर दिया करो। बदले में तुम्हे खाना और महीने में पैसा मिल जाएगा। और पीछे एक कमरा खाली है उसमें तुम अपने बच्चों के साथ रह भी सकती हो। सुमित्रा ने सहमति से सिर हिला दिया और अपने घर की ओर चलते-चलते सोचने लगी कि आज भी इस दुनिया में इंसानियत जिंदा है।

कविता

चीनू अग्रवाल

ज्ञान का भंडार

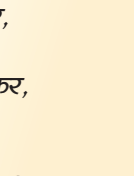

नन्हे नन्हे कदमों को,
दुनिया की दौड़ में दौड़ना सीखते हैं।
मासूम से मन को,
दुनियादारी समझते हैं।

छोटे-छोटे ख्वाबों को,
हकीकत में बदलना सिखाते हैं।
हर चीज का बोध कराके,
ज्ञान को आगे बढ़ाते हैं।

तरह-तरह की मुश्किलों से,
जिंदगी में लड़ना सिखाते हैं।
मन अंधेरे को दूर करके,
जीवन को चमकाते हैं।

छोटे-छोटे पाठ पढ़कर,
बड़े-बड़े डॉक्टर, इंजीनियर भी बनाते हैं,
ज्ञान को बांट कर,
देश को श्रेष्ठ बनाते हैं।

सही गलत का फर्क बता कर,
राहों को सरल बनाते हैं।
बंद हो जाते जब सब दरवाजे,
नया रास्ता दिखलाते हैं।

कुम्हार मिट्टी को आकार देकर,
जैसे घड़ा बनाते हैं।
वैसे ही नादान मन को ज्ञान देकर,
अच्छा इंसान बनते हैं।

आने वाले कल की चुनौतियों के लिए,
तैयार यह करवाते हैं।
क्या करना है जीवन में आगे,
यह हमें सिखलाते हैं।

ज्ञान का भंडार ये हैं,
अज्ञानता का अंधेरा हटाते हैं,
हौंसले बुलंद बनाते हैं।
तभी तो यह शिक्षक ये कहलाते हैं।

क्षमा उर्मिला

अंधेरों की परवरिश

क्या ये अंधेरों की परवरिश है
जो चाँद इतना चमक रहा है

कोई तो रिश्ता है रोशनी से
अंधेरा सदियों से संग खड़ा है

जो एक दिन छू लिया था तुमने
वो पतझड़ों में शजर हरा है

हम अपनी धड़कन से थक गये
है सांसें छोटी या दिन बड़ा है

उदासियां क्यूँ हैं हर ख़ुशी संग
दिल लम्हे लम्हे से लड़ रहा है

सुना है मैदाने जिंदगी में
कभी ख़ुशी का शहर रहा है

दिया था चुपके से मुठ्ठियों में
मेरा भरोसा कहाँ गिरा है

बड़ा है तन में, अड़ा है मन में
ये दर्द थोड़ा सा सरफिरा है

मगर प्रभू साथ चल रहे है
ये आसमानों का फैसला है

अगर में बिखरी हर एक ज़र्रा
स्नेह के रंग से ही भरा है

संजय सिंह चौहान

राजू की सच्ची दीपावली

बहुत समय पहले, एक छोटे से गाँव में नन्हा राजू अपने माता-पिता के साथ रहता था। राजू को त्योहारों का बहुत शौक था, और जब दीपावली का समय आया, तो वह बहुत उत्साहित हो गया। हर वर्ष की तरह, इस बार भी गाँव में दीपावली की तैयारी बड़े जोश और धूमधाम से हो रही थी। बाजार रंग-बिरंगी रोशनी, मिठाइयों, और खिलौनों से सजा हुआ था। हर घर के बाहर दीयों की कतारें लगाने की तैयारी हो रही थी, और लोग नए कपड़े खरीदने के लिए उत्साहित थे। राजू के पिता ने उसे बताया, ₹दीपावली अंधकार पर प्रकाश की विजय का त्योहार है। यह भगवान राम के अयोध्या लौटने की खुशी में मनाया जाता है, जब उन्होंने रावण को पराजित किया था और चौदह वर्षों के वनवास के बाद लौटे थे, उस दिन पूरे अयोध्या नगरी को दीयों से सजाया गया था, और तभी से दीपावली का त्योहार हर वर्ष मनाया जाता है। राजू को यह कहानी बहुत पसंद आई, और उसने सोचा, ₹अगर मैं भी रोशनी फैला सकूं और अंधकार को दूर कर सकूं, तो यह कितना अच्छा होगा! राजू के घर के पास एक निर्धन परिवार भी रहता था, जिनके पास इतने पैसे नहीं थे कि वे दीपावली की तैयारी कर सकें। उस परिवार के बच्चे भी राजू की तरह दीपावली मनाना चाहते थे, लेकिन उनके पास न नए कपड़े थे, न मिठाइयाँ और न ही दीये। राजू ने यह देखा और उसे बहुत दुख हुआ। वह सोचने लगा कि अगर यह त्योहार खुशियों और रोशनी का है, तो इन्हें क्यों अंधकार में रहना पड़े? उसने अपनी गुल्लक तोड़ी, जिसमें उसने बहुत पैसे बचा रखे थे। राजू ने अपने माता-पिता से कहा, ₹मैं चाहता हूँ कि इस बार हम इस निर्धन परिवार के साथ दीपावली मनाएँ। राजू के माता-पिता उसकी इस सोच से बहुत खुश हुए। वे बाजार गए और उस परिवार के लिए नए कपड़े, मिठाइयाँ, और ढेर सारे दीये खरीद कर लाए। जब दीपावली की रात आई, राजू ने अपने माता-पिता के साथ उस परिवार के घर के बाहर दीपक जलाए। उसने बच्चों को नए कपड़े पहनाए और सबने मिलकर मिठाइयाँ खाईं। वह रात सचमुच अद्भुत थी। चारों ओर दीयों की रौशनी फैल चुकी थी और बच्चे खुशी से उछल रहे थे। राजू को उस रात बहुत खुशी हुई, क्योंकि उसने महसूस किया कि सच्ची दीपावली तभी होती है जब हम दूसरों के जीवन में भी खुशियों और रोशनी का दीपक जलाएं। इस तरह, उस गाँव में दीपावली का त्योहार हर वर्ष की तुलना में इस बार और भी विशेष बन गया। सबने मिलकर दीप जलाए, मिठाइयाँ बाँटी, और खुशियाँ मनाईं। और राजू ने एक बड़ी सीख सीखी—दीपावली का वास्तविक उद्देश्य सिर्फ अपने घर को सजाना नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में भी प्रकाश और प्रसन्नता लाना है। इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि दीपावली का पर्व केवल अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का नहीं है, बल्कि यह प्रसन्नता और प्रेम बांटने का भी त्योहार है।

साहित्यकार कमलेश भारतीय हिंदी साहित्य के पाठकों और नवलेखकों को संदेश देते हैं कि दूसरों के श्रेष्ठ साहित्य को खूब पढ़िए। जैसे खेत में खाद डालते हैं ऐसे काम करता है यह श्रेष्ठ साहित्य पढ़ना। नए से नए रचनाकार को भी देखिए कि वह कैसे कहानी बुनता है। वह ख़ुद प्रतिदिन सुबह एक अच्छी रचना से दिन शुरू करते हैं। जैसे लोग गीता का अध्याय पढ़ते हैं, वह भी कोई एक अच्छी रचना पढ़ते हैं।

साक्षात्कार

डॉ. तबस्सुम जहां

संवेदना से याद की जाती हैं कहानियां : कमलेश भारतीय

हरियाणा साहित्य अकादमी में उपाध्यक्ष के पद पर रहे स्वतंत्र पत्रकार के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले बेहद जिंदादिल शख्सियत कमलेश भारतीय साहित्य के क्षेत्र में भी बेहद लोकप्रिय नाम हैं। कमलेश भारतीय को हाल ही में नोएडा में आयोजित मारवाह साहित्य समारोह में साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए साहित्य रत्न सम्मान प्रदान किया गया। कमलेश भारतीय मूलतः पंजाब के नवांशहर के रहने वाले हैं, पर पिछले 27 साल से हिसार में रह रहे हैं। कमलेश भारतीय महज सत्रह वर्ष की आयु में शिक्षक से, प्राध्यापक एवं प्राचार्य के पदों पर अपनी सेवाएं देने के बाद दैनिक ट्रिब्यून चंडीगढ़ में मुख्य संवाददाता रहे। उसके बाद अब तक इनके दस कथा संग्रह हिंदी साहित्य की धरोहर बन चुके हैं।

पंजाबी, उर्दू, अंग्रेजी, मराठी, डोंगरी, बंगला आदि भाषाओं में इनकी रचनाएं अनुवादित हो चुकी हैं। आपकी कृति 'एक संवाददाता की डायरी' को केन्द्रीय हिंदी निदेशालय नई दिल्ली द्वारा पुरस्कृत किया गया। 28 सितंबर को रोहतक में हुए हाइफ़ा के वार्षिक समारोह में कमलेश भारतीय को भी सम्मनित किया गया। उसी दौरान एक विस्तृत चर्चा में सोशल मीडिया और साहित्य विषय पर उन्होंने खुलकर अपने विचार रखे। उन्होंने चिंता प्रकट कि आजकल सोशल मीडिया आने से हर तीसरा शख्स कवि, कहानीकार, ग़ज़लकार बन गया है। यह बहुत दुखद है और साहित्य के लिए सही दौर नहीं है। रात रात भर जाग कर पढ़ना, लिखना, रचना को संवारना यह सब जैसे बीते कल की बातें हो गई हैं। जब उन्होंने लिखना शुरू किया था तब वह पंजाब में थे और हिंदी टाइप की सुविधा भी नहीं थी। हाथ से कितनी बार लिखकर संशोधन करते और फिर इतना सुंदर लिखते कि टाइप किए हुए की बजाय उनकी रचना पढ़ी जाए। वो बताते हैं कि आज का सोशल मीडिया का दौर ऐसा है कि दो चार पंक्तियां लिखीं और लाइक्स की इंतज़ार शुरू। हमें पत्रों का इंतज़ार रहता था, जो संभाले जा सकते थे। सोशल मीडिया सिर्फ एक मंच है, जिससे साहित्य का प्रचार प्रसार तो हो सकता है लेकिन यह दिखावे का और आत्ममुग्धता का मंच ज्यादा है। इस आत्ममुग्धता से बचने की जरूरत है। प्रचार के लिए, साहित्य के प्रमोशन तक रखा जाना चाहिए न कि इससे साहित्य से दूर तक जुड़ा रहा जा सकता है। आज लोग छोटी कहानियों और लघुकथा में फ़र्क नहीं कर पाते।

इनके बीच विभाजक रेखा खींचते हुए कमलेश भारतीय बताते हैं कि बिजली की कौंध की तरह अचानक लघुकथा आंखों में चमकती है और इसे जानबूझकर विस्तार नहीं दिया जा सकता। जबकि कहानी आकार में छोटी हो सकती है पर कहानी ही होती है। हिंदी साहित्य में अलग-अलग 'वाद' की दुकाने खुल गई हैं और हरेक साहित्यकार मेरी शर्ट उसकी शर्ट से ज्यादा सफ़ेद वाली स्थिति में रहता है। इस बारे में कमलेश भारतीय का मानना है कि 'वाद' शुरू से चलते आए हैं। आंदोलन चलते आए हैं। नई कहानी आंदोलन, समांतर कहानी, सचेतन कहानी, जनवादी कहानी आंदोलन लेकिन कहानियाँ वही चर्चित रहीं जो मानवीय संवेदना को छू पाईं। कमलेश्वर की राजा निरबंसिया, भीष्म साहनी की चीफ की दावत, अज्ञेय की रोज़ (ग्रैंग्रीन), धर्मवीर भारती की 'बंद गली का आखिरी मकान' , मोहन राकेश की 'मलबे का मालिक', ऊषा प्रियंवदा की वापसी, निर्मल वर्मा की दूसरी दुनिया और अन्य रचनाकारों की अनेक कहानियों को किसी वाद के साथ याद नहीं किया जाता बल्कि संवेदनशील होने के चलते याद किया जाता है। वाद को कोई याद नहीं रखता, पाठक कहानी को याद रखता है। तकनीकी क्रांति ने समाज को किताबों से दूर कर दिया है।

दूसरे प्रकाशक तानाशाह हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में लोग फेसबुक आदि पर अपनी रचनाएं डालते हैं या ऑनलाइन साहित्यिक चर्चाएं हो रही हैं। ऐसे में साहित्य की दिशा के संदर्भ में कमलेश भारतीय बताते हैं कि छपे हुए साहित्य से नई पीढ़ी दूर होती जा रही है। कमलेश भारतीय का कहना है-

बस, इतना ही करना है और यह याद रखना तुम ही हो एक मुसाफिर यह गुमान मत रखना अपने पांव तले कभी आसमान मत रखना।

प्रकाशित पुस्तकें

कमलेश भारतीय की 18 किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनके कथा संग्रह महक से ऊपर, मस्तराम ज़िंदाबाद, इस बार, मां और मिट्टी, ऐसे थे तुम, जादूगरनी, शो विंडो की गुड़िया, एक संवाददाता की डायरी, दरवाजा कौन खोलेगा, इतनी सी बात, मैं नहीं जानता, नई प्रेम कहानी, सूनी मांग का गीत के अलावा यादों की धरोहर (साहित्यकारों से साक्षात्कार), मां और मिट्टी कथा संग्रह का नेपाली में अनुवाद, इतनी सी बात का पंजाबी में अनुवाद, लोग भूल जाते हैं (काव्य संग्रह), तथा 'मैं नहीं जानता' प्रकाशित हो चुके हैं।

कमलेश भारतीय

पुरस्कार व सम्मान

कमलेश भारतीय को 1992 में कहानी लेखन महाविद्यालय, अम्बाला छावनी द्वारा श्रेष्ठ लेखन पुरस्कार, 1999 में राज्यकवि स्वर्गीय परमानंद स्मृति सम्मान, 2008 में कैथल की साहित्य सभा की ओर से धीरज त्रिखा स्मृति पत्रकारिता सम्मान, फगवाड़ा में पंजाब हिंदी साहित्य अकादमी की ओर से स्वर्गीय डॉ. चंद्रशेखर स्मृति सम्मान, हरियाणा साहित्य अकादमी की ओर से 2010 में देशबंधु गुप्त साहित्यिक पत्रकारिता पुरस्कार आदि से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : कमलेश भारतीय
जन्मतिथि : 17 जनवरी, 1952
जन्म स्थान : होशियारपुर (पंजाब)
शिक्षा : एमए (हिंदी) , बीएड, प्रभाकर
संप्रति : प्राचार्य, लेखक, पत्रकार

भीतर की शक्ति : नरेंद्र मोदी की नेतृत्व विरासत

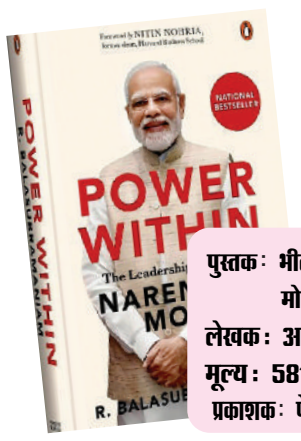

पुस्तक : भीतर की शक्ति : नरेंद्र मोदी की नेतृत्व विरासत
लेखक : आर. बालासुब्रमण्यम
मूल्य : 581 रुपये
प्रकाशक : पेंगुइन, भारत

पुस्तक समीक्षा

शिवेश प्रताप

आज इस वैश्वीकरण के युग में हम एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं, जहां हमें यह एहसास होता है कि दुनिया के सामने मौजूद बहुस्तरीय लक्ष्यों, संकटों और समाजों में बढ़ती ध्रुवीकरण की स्थिति से निपटने के लिए केवल सत्ता आधारित नेतृत्व मॉडल ही पर्याप्त नहीं हैं। आज के दौर में हमें ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो न केवल इतिहास से सीखे, बल्कि उसमें स्वीकार्यता की क्षमता, व्यवहारिकता, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और आध्यात्मिक परिपक्वता का समावेश हो। इन सभी गुणों से युक्त व्यक्तित्व को हम प्रबुद्ध नेतृत्व कह सकते हैं। हम सभी भाग्यशाली हैं कि देश को 2014 में नरेंद्र मोदी के रूप में इन सभी गुणों से युक्त एक ऐसा नेता मिला जिसने तमाम प्रतिकूलताओं से घिरे वातावरण में भी आशा आकांक्षाओं का संचार इस देश में किया। आर. बालासुब्रमण्यम द्वारा लिखित 'Power Within: The Leadership Legacy of NarendraModi' पुस्तक नरेंद्र मोदी के इस अनूठे नेतृत्व को बारीकी से समझने और परखने का एक अवसर प्रदान करती है। पूरी पुस्तक में संस्कृत श्लोकों एवं धर्म शास्त्रों के विचारों को बड़े सुन्दर ढंग से मोदी जी के जीवन प्रसंगों से जोड़ा गया है। इस पुस्तक का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह मोदी जी के नेतृत्व को भारतीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं में निहित मानती है। लेखक ने इस पुस्तक में बताया है कि मोदी का नेतृत्व केवल भौतिक सफलता पर नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता और कर्तव्य की भावना पर भी आधारित है। योग, ध्यान और भगवद गीता के शिक्षाओं के प्रति उनकी आस्था ने उनके शासन को आकार दिया है। वे एक कर्मयोगी के रूप में सेवा करते हैं, जो निःस्वार्थ भाव से, ईमानदारी और करुणा के साथ कार्य करते हैं, और न केवल मानव समाज अपितु सभी जीवों का आपसी जुड़ाव को महत्व देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व आधुनिक चुनौतियों का समाधान करते हुए भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का प्रतीक है। जो न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व के लिए एक शांति और सुख का मार्ग प्रस्तुत करती है। ऐसे अनिश्चित वैश्विक परिस्थितियों और समय में, मोदी का नेतृत्व एक आशा की दैदीप्यमान सूर्य की तरह चमकता है, जो कोटि कोटि भारतीयों को और विश्व के अन्यान्य लोगों को एक बेहतर और अधिक सामंजस्यपूर्ण भविष्य के लिए प्रेरित करता है। यह पुस्तक मोदी जी के नेतृत्व की विरासत को समझने और उसे सहेजने करने का एक सार्थक प्रयास है।

बीएलओ का सम्मान कार्यक्रम आयोजित

लोकतांत्रिक व्यवस्था में सफल चुनाव का आधार बीएलओः ओमप्रकाश यादव

■ शिक्षक ट्रस्ट की इस पहल से बीएलओ होंगे प्रेरित: डीईओ संतोष चौहान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने विधानसभा चुनाव में हलका के पोलिंग बूथों पर सर्वाधिक मतदान प्रतिशत वाले बूथों के बीएलओ को सम्मानित किया। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक संजय शर्मा ने बताया कि 76 फीसदी से अधिक मतदान वाले बूथों के बीएलओ को ट्रस्ट के कार्यालय में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक ओमप्रकाश यादव थे। अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान ने की। विशिष्ट अतिथि वन्य जंतु कल्याण बोर्ड के पूर्व चेयरमैन सतपाल शर्मा थे। कार्यक्रम का संयोजन ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय शर्मा ने किया। मंच संचालन स्टेट अवार्डी प्रवक्ता डा. जितेन्द्र भारद्वाज ने किया। धन्यवाद ज्ञापन भीमसेन शर्मा ने प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सफल चुनाव का आधार बीएलओ ही है। उनके बिना चुनाव प्रक्रिया की कल्पना नहीं की जा सकती है। जिला शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान ने कहा कि बीएलओ लगातार मतदाताओं के वोट बनाने, शिफ्टिंग, नये मतदाता जोड़ने, आधार लिंक जैसे कार्यों के माध्यम से अपने क्षेत्र में कार्यरत रहते हैं। इनका दायित्व महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया का अधिकांश भाग शिक्षा विभाग के कर्मचारी ही संपन्न करते है। जिनमे बीएलओ अहम स्थान रखते हैं। विशिष्ट अतिथि सतपाल शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं, ताकि श्रेष्ठ कार्य करने वालों को प्रेरणा मिल सकें। अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि चुनावों में आम जनता की भागीदारी को सुनिश्चित करने और लोगों के अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए प्रेरित करने के लिए संस्था की ओर से लगातार प्रयास किए गए और आमजन को जागरूक किया गया। डा. जितेन्द्र भारद्वाज व भीमसेन शर्मा ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से चुनाव के दौरान सतरंगी सप्ताह, मेहंदी प्रतियोगिता, पोस्टर ड्राइंग प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता के साथ साथ इवीएम का प्रशिक्षण भी दिया गया।

भारत विकास परिषद के सचिव दिनेश शर्मा ने कहा कि सामाजिक व जागरूकता कार्यक्रमों में प्रगतिशील शिक्षक ने अनूठी पहचान बनाई हुई है।

नारनौल। कार्यक्रम में सम्मानित होने वाले बीएलओ। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। बीएलओ को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

यह रहे मौजूद

कार्यक्रम में मुख्य रूप से मानसिंह नूनीवाल, ट्रस्टी राकेश शर्मा, डा. जितेन्द्र भारद्वाज, भीमसेन शर्मा, प्रभाष छक्कड़, अजय शर्मा, अमीचंद सैनी, दिनेश शर्मा, नरोत्तम सोनी, हरिराम नंबरदार, दिनेश कौशिक, राजकुमार सैन, देव शर्मा, गजानन्द सोनी, प्रदीप, प्रेमप्रकाश शर्मा, दुलीचंद शर्मा, बंसीलाल व अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

यह बीएलओ हुए सम्मानित

कार्यक्रम के विषय में जानकारी देते हुए अध्यक्ष संजय शर्मा व ट्रस्टी राकेश शर्मा ने बताया कि समारोह में चयनित बीएलओ को प्रंशसा पत्र, स्मृति चिह्न, अंगवस्त्रम से सम्मानित किया गया। विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर तीन नांगलकाठा से सुरेंद्र सिंह, चिंडालिया के बूथ नंबर 19 से जसवंत सिंह, फैजाबाद के बूथ नंबर 35 से बिजेंद्र सिंह, डोहरकलां के एससी चौपाल बूथ नंबर 45 से वीरेंद्र सिंह शारीरिक शिक्षक, गांव सिलारपुर मेहता के बूथ नंबर 47 से मदनलाल जेबीटी, बूथ नंबर 58 से सत्यनारायण जेबीटी, कुतबापुर के बूथ नंबर 62 से राजेन्द्र कुमार जेबीटी, नसीबपुर के बूथ नंबर 67 से कैलाशचंद जेबीटी, सुभाष नगर के बूथ नबंर 120 से नवीन सैनी जेबीटी, शेखपुरा के बूथ नंबर 121 से प्राथमिक शिक्षक सुमेर सिंह, शेखपुरा के बूथ नंबर 122 से प्राथमिक शिक्षक नवीन सांवरा, शाहपुर ढोयम के बूथ नंबर 124 से प्रदीप कुमार जेबीटी, गांव मंढाणा के बूथ नंबर 142 से सुरेन्द्र सिंह, गांव मंढाणा के बूथ नंबर 143 प्रदीप कुमार, गांव ताजीपुर के बूथ नंबर 144 से सुनीता आंगनबाड़ी वर्कर को सम्मानित किया गया।

महेंद्रगढ़। विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस में आयोजित साइंस क्वीज स्पर्धा में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

■ प्रतियोगिताओं में बच्चों को अवश्य भाग लेना चाहिए: डॉ. पवित्रा राव

आरपीएस विद्यालय खातोद में इंटर स्कूल साईस क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 8 स्कूलों की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्यातिथि आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व अध्यक्ष सेंट्रल यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रामावतार, सीईओ इंजी. मनीष राव, प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी व सीनियर विंग हेड देवेंद्र पूनिया ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके मुख्यातिथि डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता बड़ी अहम होती है। इससे बच्चों को नया सीखने को मिलता है। आज का युग कंपीटशन का युग है। इस तरह की प्रतियोगिता में बच्चों को भाग अवश्य लेना चाहिए। उनके ग्रुप का उद्देश्य समाज को शिक्षित कर कामयाब बनाना है। सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए ग्रुप के सीईओ इंजी. मनीष राव ने कहा कि आरपीएस ग्रुप द्वारा समय-समय पर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को लेकर इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जाता है। उन्होंने अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इन प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सेंट्रल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. रामावतार ने कहा कि आरपीएस ग्रुप पढ़ाई के साथ-साथ खेलों एवं अन्य प्रतियोगिताओं पर भी विशेष ध्यान देते हुए बच्चों की प्रतिभा तरासने का काम कर रहा है। आज विज्ञान का युग है, इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाती है। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने विभिन्न स्कूलों से भाग लेने आए सभी प्रतिभागियों व उनके शिक्षकों का विद्यालय प्रांगण में स्वागत करते हुए कहा कि आज के विद्यार्थी कल देश का भविष्य होंगे। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन ही भविष्य की नींव को निर्धारित करता है। इसलिए सभी विद्यार्थी अनुशासन में रहते हुए शिक्षकों के मार्गदर्शन में आगे बढ़े।

ये रहे विजेता

प्रतियोगिता के इंचार्ज मंजीत यादव ने बताया कि साइंस क्वीज में जॉन डाल्टन टीम 8 से रितु, छवि, हर्षी प्रथम, आर्यभट्ट टीम-1 से अमन, नितिन, पलक द्वितीय तथा श्रीनिवास रामानुजन टीम-5 अतुल, पुलकित, तान्या तीसरे स्थान पर रही। विजेता टीमों को मुख्य अतिथि ग्रुप की चेयरपर्सन, अध्यक्ष सेंट्रल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस मौके पर विद्यालय के समय स्टाफ सदस्यों ने विजेता टीमों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सुमड़ा खेड़ा घाट में पशु मरने से मची खलबली

बवानीखेड़ा। सुमड़ा खेड़ा पुल के पास घाट में गाय, सांड की डेड बॉडी देखकर सभी आश्चर्य चकित हो गए क्योंकि विभाग के कर्मचारियों से लेकर अधिकारियों तक इसकी सूचना नहीं है और यही पानी लोग सेवन कर रहे हैं। वहीं गांव के सरपंच मनफूल सिंह ने बताया कि जेसीबी से इसे निकलवाया जाएगा। सुमड़ा खेड़ा घाट में मरे हुए पशु की डेड बॉडी देखकर ग्रामीणों में रोष जताया ओर बताया कि विभाग को इसकी सुध लेनी चाहिए ताकि लोगों तक गंदा पानी की बजाए शुद्ध पानी पहुंच सके लेकिन विभाग को इस बात की जानकारी नहीं है ।

तोशाम में लाखों रुपये की कीमत के अवैध पटाखों का जखीरा पकड़ा

■ शनिवार रात्रि को पुलिस ने गुप्त सूचना मिलने पर मारा छापा,आरोपी युवक काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर तोशाम में पहाड़ के पीछे वाले रास्ते पर आरोही मॉडल विद्यालय के साथ कॉलोनी में बने एक मकान से लाखों रुपए के अवैध पटाखे का जखीरा बरामद किया है। पुलिस ने मौके से अवैध पटाखों सहित आरोपी युवक को काबू कर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। शनिवार रात्रि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि तोशाम निवासी एक युवक गांव खानक मार्ग पर पहाड़ के पीछे वाले रास्ते पर आरोही विद्यालय के साथ लगती कॉलोनी में बने एक मकान में काफी मात्रा में अवैध पटाखे बेचने के लिए रखे हुए है, जिनको वह रात्रि के समय बचने के लिए सप्लाई करेगा। यदि मौके पर तुरंत छाप मार्ग कार्रवाई की जाए तो बड़ी मात्रा में अवैध पटाखों सहित आरोपी युवक काबू आ सकता है। पुलिस ने तुरंत छापामार कार्रवाई करते हुए मौके पर जाकर देखा तो एक मकान के आगे एक युवक खड़ा मिला पुलिस ने युवक को काबू करके पूछताछ की तो उसकी पहचान तोशाम निवासी के रूप में हुई। तत्पश्चात पुलिस ने टीम के साथ मकान का गेट खोलकर अंदर चेक किया तो मकान के अंदर बड़ी मात्रा में गत्ते की पेटीयां रखी हुई थी जिनमें पटाखे, फुलझड़ियां, अनार, चकरी, पॉप पॉप, रॉकेट आदि विभिन्न प्रकार के करीबन 3 लाख रुपए कीमत के पटाखे थे। पुलिस ने आरोपी युवक को पटाखे सहित काबू कर लिया, तत्पश्चात पटाखो को गाड़ी में लोड करवाकर तोशाम थाने लाया गया। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में पुलिस ने लाखों रुपए की कीमत के अवैध पटाखों को बरामद कर गिरफ्त में ले लिया है। थाना प्रभारी शिवकुमार ने बताया कि तोशाम में बड़ी मात्रा में अवैध पटाखों का भंडार मिला है, अवैध पटाखों को बरामद कर आरोपी युवक को काबू कर लिया गया है।

यदुवंशी शिक्षा निकेतन के वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह का आयोजन

■ निदेशक विजय सिंह यादव को 21 लाख रुपये देकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

यदुवंशी शिक्षा निकेतन के वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन शनिवार को किया गया। कार्यक्रम में विधायक कंवर सिंह यादव मुख्यातिथि एवं यदुवंशी ग्रुप चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने अध्यक्ष के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वन्दना के साथ किया गया। कार्यक्रम में हरियाणवीं नृत्यों ने हरियाणवीं संस्कृति की याद दिलाई जिसमें अनेक छात्राओं के समूहों ने अपनी-अपनी अनेक प्रस्तुतियां दी। इसके अलावा राजस्थानी समूह नृत्य, पंजाबी नृत्य (भांगड़ा) ने खूब तालियां बटौरी।

दर्शकों ने भक्ति संगीत में शिव तांडव, हनुमान चालीसा, दुर्गा अष्टमी, मेरे घर राम आए तथा श्रीराम अयोध्या ने वातावरण को भक्तिमय बनाया। इसके अतिरिक्त सॉलो क्लासिकल डांस, मयूर डांस, राधा कृष्ण डांस, हॉरर डांस, देशभक्ति गीत, फौजी एक्ट आदि समारोह में आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम में प्रतिभागी विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को शॉल व लोई ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक, खेल-जगत, कला, चित्रकला एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। जिसमें यदुवंशी महेंद्रगढ़, कनीना, सोहली विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को 15 करोड़ रुपये की छात्रवृति वितरित की गई। नवनिर्वाचित विधायक कंवर सिंह यादव नेकहा कि राव बहादुर सिंह का शिक्षा के क्षेत्र में यह पुनीत कार्य लोगों के भविष्य को संवारने का काम कर रहा है। यदुवंशी शिक्षण संस्थान की पहचान अब प्रदेश में ही नहीं देशभर में हो चुकी है।

पूरे देश में सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करवाने में यदुवंशी ग्रुप की अग्रणीय भूमिका रही है। 1995 में राव बहादुर सिंह द्वारा महेंद्रगढ़ में यह शिक्षा रूपी पौधा लगाया गया था। उस समय महेंद्रगढ़ को पिछड़ा इलाका समझा जाता था। आज वही इलाका शिक्षा के हब के नाम से जाना जाता है। दक्षिण हरियाणा में बढ़ते शिक्षा के प्रचार-प्रसार पर यदुवंशी ग्रुप चेयरमैन राव बहादुर सिंह को बधाई दी। उन्होंने राव को एक समाजसेवी के साथ-साथ एक अच्छा राजनेता भी बताया।

महेंद्रगढ़। निदेशक विजय सिंह यादव को सम्मानित करते विधायक कंवर यादव व राव बहादुर सिंह। फोटो : हरिभूमि

डायरेक्टर 21 लाख रुपये की राशि से सम्मानित

चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने इस अवसर पर ग्रुप डायरेक्टर विजय सिंह यादव को उनकी उत्कृष्ट व अतुलनीय सेवा के लिए 21 लाख की नकद धनराशि देकर सम्मानित किया व विद्यालय के प्रति उनके योगदान की सराहना भी की। इसके अतिरिक्त अनिल कुमार क्लर्क को 51 हजार, प्रताप सिंह विश्वासी को 51 हजार, विष्णु शर्मा क्लर्क को 21 हजार, दीपक ढाढरी 16000, संगीत अध्यापक बलवंत सैनी 7500, विकास नारनौल 7500, लाकेन्द्र सोहली 5100, सुरेन्द्र सोहली 5100, संजय नारनौल 3100 रुपये, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी बिमलेश 1100, व 29 कंडेक्टर को 1100 रुपये की धनराशि देकर सम्मानित किया।

यह बोले प्राचार्य

प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि आज, हम एक और सफल वर्ष का जश्न मनाने और अपने छात्रों की उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए साथ एकत्रित हुए हैं। यदुवंशी ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव ने कहा कि यदुवंशी ने सर्वप्रथम अपना कदम महेंद्रगढ़ क्षेत्र में रखा और अब पूरे हरियाणा प्रदेश में इसकी शाखाएं हैं। शिक्षा से ही देश का संपूर्ण विकास संभव है। शिक्षा ही मनुष्य के अंदर अच्छे विचारों का निर्माण कर उसके जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है। यह साल हमारे स्कूल के लिए असाधारण रहा है और हमने एक साथ कई उपलब्धियां हासिल की हैं। खेल उपलब्धियों से लेकर शैक्षणिक सफलता तक हमने बहुत कुछ हासिल किया और अपने विद्यालय व क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव एवं वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव ने कहा कि हर स्कूल एक निश्चित तिथि पर अपना वार्षिक उत्सव मनाता है। वार्षिकोत्सव का उद्देश्य मनोरंजन ही नहीं बल्कि सभी छात्र-छात्राओं की रूचियों और प्रगति का लेखा-जोखा जानना होता है। इस आयोजन से सभी विद्यार्थियों को नए उत्साह और प्रेरणा की अनुभूति होती है।

नेशनल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप सम्पन्न

एसडी ककराला की टीम रही ओवरऑल विजेता

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

ककराला के एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित चार दिवसीय सीबीएसई नेशनल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप का रविवार को समापन हो गया। इस प्रतियोगिता में एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला की टीम ओवरऑल विजेता रही, जबकि प्रथम रनरअप में लर्बुनम पब्लिक स्कूल भोंड़सी व द्वितीय रनरअप गर्लेहिल स्कूल मंदोदीह वाराणसी की टीम रही।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष व विद्यालय के चेयरमैन जगदेव सिंह यादव ने बताया कि समारोह में मुख्यातिथि भीम अवार्डी व हरियाणा पैराओलम्पियन खेल विभाग हरियाणा के उप निदेशक गिरीराज सिंह व गोल्ड मेडलिस्ट रेणु गौरा थी। जिन्होंने विजेता टीमों को प्रमाण पत्र व मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि शिक्षा के साथ साथ खेलों का विशेष महत्व है। खेलों में जो खिलाड़ी पराजित हुए हैं खासकर उन्हें खेल में हुई गलतियों से सबक लेना चाहिए और पूरी तैयारी के साथ दोबारा से मैदान में उतरना चाहिए। जगदेव यादव ने कहा कि खेलों में देश के विभिन्न प्रातों सहित छह देश बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरबिया, यूएई सहित आठ जोन से हजारों खिलाड़ी पहुंचे। समारोह में अतिथियों का जगदेव यादव ने स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने बॉक्सर डीएस यादव, विशेष मुक्केबाजी संघ उपाध्यक्ष अनिल मिश्रा, जिला खेल अधिकारी ज्योति रानी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर प्राचार्य ओमप्रकाश, सीईओ आरएस यादव, संजय कुमार, ईश्वर सिंह, गुलशन कुमार आदि मौजूद थे।

कनीना। ओवरऑल विजेता टीम को सम्मानित करते मुख्य अतिथि। फोटो : हरिभूमि

सुरक्षा व्यवस्था के लिए मुस्तैद रहे पुलिस कर्मी

चतुर्थ नेशनल चैंपियनशिप को लेकर एसडी विद्यालय प्रांगण में उप नागरिक अस्पताल के चिकित्सक स्टाफ व सुरक्षा व्यवस्था के लिए कनीना सिटी थाना के पुलिस कर्मचारी मुस्तैद रहे। जिनके चलते प्रतियोगिता शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई। स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक अंकित शर्मा के नेतृत्व में टीम ने सेवाएं दी। सिटी थाना इंचार्ज रतन सिंह के नेतृत्व में पुलिस कर्मचारी ड्यूटी पर तैनात रहे।

स्वरोजगार संस्थान की ओर से ईडीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

नारनौल। कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षणार्थी व आयोजक। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार संस्थान नसीबपुर की ओर से शनिवार को राजकीय कन्या महाविद्यालय उन्हाणी में जिला प्रबंधक विजय सिंह ने जनरल ईडीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। जिला प्रबंधक विजय सिंह ने कहा कि हमारे देश का जनसंख्या की दृष्टि से विश्व में प्रथम स्थान है। अत्यधिक जनसंख्या व सीमित संसाधन की उपलब्धता के कारण प्रत्येक युवा को नौकरी प्रदान करना असंभव ही नहीं बल्कि नामुनकीन है। जिसके फलस्वरूप भारत सरकार के माध्यम से सामान्य मानविकी के जीवाकोपर्जन के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से कौशल विकास के लिए विभिन्न प्रकार की स्कीमें संचालित की जा रही हैं। इस मौके पर प्राचार्य डा. विक्रम सिंह, प्रशिक्षण प्रभारी डा. कविता, डा. सुधीर कुमार, डा. सीमा, प्रोफेसर अनिल कुमार, संकाय स्नेहलता शर्मा, अतिथि संकाय रिचा गर्ग आदि मौजूद थे।

खबर संक्षेप

मेघोत बींजा के सुनीत यादव बने अधिकारी

नांगल चौधरी। मेघोत बींजा निवासी सुनीत कुमार ने यूपीएससी की परीक्षा में छठी रैंक लेकर

प्रॉसिक्यूटर अधिकारी बनकर गांव का गौरव बढ़ाया है। मेधावी युवा को सम्मानित करने के लिए ग्रामीणों ने सम्मान समारोह करने का निर्णय लिया है। परिजन बस्तीराम यादव ने बताया कि सुनीत यादव ने प्रारंभिक पढ़ाई संत ठाकूर दास स्कूल पांचनोता से की थी। वर्तमान में प्रवर्तन निदेशालय में लीगल सलाहकार के पद पर तैनात हैं। 2023 में यूपीएससी ने गंभीर फ्रॉड जांच अधिकारी की पोस्ट निकाली थी।

कीर्ति ने नेट जेआरएफ में पाई 174वीं रैंक

नांगल चौधरी। नांगल चौधरी के भारत कुमार की पुत्री कीर्ति सैनी ने

नेट जेआरएफ में 174वीं रैंक प्राप्त करके परिजनों का नाम रोशन किया है। मेधावी छात्रा को विभिन्न सामाजिक संगठनों ने सम्मानित करके हौंसला बढ़ाया। मेधावी छात्रा के दादा मेहरचंद सैनी ने बताया कि कीर्ति सैनी ने 12वीं तक पढ़ाई बालाजी सीनियर सेकेंडरी स्कूल भुंगारका में की थी। स्नात्तक में यूनिवर्सिटी स्तर पर दूसरा स्थान हासिल किया था।

कांग्रेस नेता महेंद्र अटेली के गांवों में करेंगे मीटिंग

मंडी अटेली। कांग्रेस नेता महेंद्र सिंह राता जल्द अपने कार्यकर्ताओं के साथ अटेली विधानसभा के प्रत्येक गांव में पहुंचकर लोगों के साथ मीटिंग करेंगे। महेंद्र सिंह राता ने कहा कि अब उनके पास 5 वर्ष हैं। अटेली विधानसभा के हर गांव में पहुंचकर लोगों से मिलकर कांग्रेस पार्टी का प्रचार प्रसार करेंगे। जनता ने जो फैसला दिया है, वह स्वीकार करते हैं।

सार्वजनिक रास्ते पर पाइप नहीं दबाने देने से विभाग ने बंद करवा दिया था पाइप लाइन का काम

शहबाजपुर डिस्ट्रीब्यूटरी से जैनपुर तक पाइप लाइन के 57 लाख स्वीकृत, दबाने की प्रक्रिया 12 महीने से अटकी

- जोहड़ों में पानी नहीं भरने से पेयजल सुविधा बाधित
- ग्रामीणों ने उपायुक्त से पाइप लाइन दबाने की लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। पाइप लाइन नहीं दबने से सूखा पड़ा जैनपुर गांव का जोहड़। फोटो: हरिभूमि

शहबाजपुर डिस्ट्रीब्यूटरी से जैनपुर तक पाइन लाइन दबाने के लिए विभाग ने करीब 57 लाख रुपये स्वीकृत किए थे। डेढ़ साल पहले टैंडर छोड़कर पाइप लाइन दबाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी, लेकिन मेघोत बींजा के कुछ ग्रामीणों ने सार्वजनिक रास्ते पर पाइप नहीं दबाने दिया। विवाद बढ़ने पर विभाग ने काम को बंद करवा दिया, जिसको एक साल से अधिक समय बीत चुका है। जोहड़ सूखे होने के कारण ग्रामीणों को पशुओं की पेयजल किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। सरपंच देशराज सिराधना ने बताया कि सरकार ने प्रत्येक गांव के जोहड़ों को नहरी पानी से भरने की योजना बनाई थी। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को डिस्ट्रीब्यूटरी से गांव तक पाइप लाइन के एस्टिमेट भेजने के निर्देश दिए गए थे। तर्क दिया गया कि जोहड़ों में पानी भरने से गांवों में भूजल रिचार्ज होगा तथा पशुओं को पेयजल की सुविधा मिलेगी। पशुपालन का व्यवसाय बढ़ने से ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। विभाग ने मेघोत बींजा गांव के पास शहबाजपुर डिस्ट्रीब्यूटी से जैनपुर तक दूरी की पैमाइश करके पाइपों का एस्टिमेट तैयार किया। करीब डेढ़ साल पहले उच्चाधिकारियों की मार्फत एस्टमेट को चंडीगढ़ भेजा गया। जहां सीएम की घोषणा के अनुसार बजट स्वीकृत करके विभाग को पत्र भेजा गया। पत्र में तत्परता से काम शुरू करके जोहड़ों में पानी भरने की हिदायत दी। इसके बाद विभागीय अधिकारियों ने टैंडर की प्रक्रिया को पूरा करके पाइप दबाने का काम शुरू कराया था, लेकिन मेघोत बींजा के कुछ ग्रामीणों ने सार्वजनिक रास्ते पर पाइप नहीं दबाने दिया। कारण पूछने पर कहा गया कि यहां पानी की खपत बढ़ने पर टेल तक सप्लाई नहीं पहुंच पाएगी। उस दौरान अधिकारियों ने पानी की मात्रा बढ़ाने का आश्वासन भी दिया था।

पेयजल व्यवस्था के कोई प्रबंध नहीं: ग्रामीण

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में 500 से अधिक मवेशी हैं, जिनकी पेयजल व्यवस्था के कोई प्रबंध नहीं। पहले कृषि बोरवेलों से होद भरे जाते थे, लेकिन अब कई बोरवेलों के जलस्रोत सूख गए, कुछ कुएं चलते हैं, लेकिन सरसों बिजाई की पलाव का दबाव होने की वजह से होदों में पानी भरना संभव नहीं हो रहा है। समाधान के लिए डिस्ट्रीब्यूटरी से पाइप लाइन दबाना ही एकमात्र विकल्प है।

क्या कहते हैं सरपंच

जैनपुर के सरपंच देशराज सिराधना ने बताया कि पहाड़ के पास शामलात भूमि पर मौसमपुर, बिहारीपुर समेत तीन गांवों के मवेशी व भेड़ बकरियां घास चरने आती हैं। यहां जोहड़ में पानी भरने से मवेशियों को पेयजल सुविधा मिलेगी। साथ ही भूजल रिचार्ज होने से सूखे बोरवेल दुबारा चालू हो जाएंगे तथा फसलों की सिंचाई हो सकेगी। उन्होंने बताया कि पाइप लाइन सार्वजनिक रास्ते पर जमीन के नीचे दबनी है, जिससे किसी की फसल या मकानों को नुकसान नहीं होगा।

राधा कृष्ण संगठन ने निकाली प्रभातफेरी

नारनौल। शहर में प्रभात फेरी निकालते हुए लोग। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को शहर में 92वीं प्रभात फेरी का आयोजन अग्रसेन कॉलोनी रेलवे रोड से किया गया। जिसके यजमान बिशन दयाल, रघुवीर सिंह छापड़ा वाले ने परिवार सहित ठाकुर जी की आरती कर सभी को चंदन तिलक लगाकर प्रभात फेरी शुभारंभ किया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में महिला, पुरुष व बच्चों ने ढोल नगाड़ों के थाप पर राधा नाम का स्मरण किया। प्रभात फेरी यजमान के निवास स्थान से चलकर अग्रसेन कॉलोनी में परिक्रमा करके पुनः यजमान के निवास स्थान पर सम्पन्न हुई।

परिक्रमा मार्ग में लोगों ने अपने घरों से निकलकर प्रभात फेरी का स्वागत किया तथा चलने में असमर्थ व्यक्तियों ने अपने दरवाजे पर राधे राधे धुन के साथ तालमेल बनाया। ठाकुर जी के साथ लड्डू गोपाल जी चलते हुए समय अलसुबह का पूरा वातावरण भक्तिमय में हो गया। सभी नाचते हुए राधा संकीर्तन रथ में गाते हुए डफली, झांझ मजीरा, घंटी बजाते हुए लोग आनंदमय लग रहे थे। शहर की गलियां वृंदावन की कुंज गलियों की तरह गूंजायमान हो रही थी।

सिर्फ और सिर्फ राधे राधे की ध्वनि कानों का रसपान करवा रही थी। इस दौरान जगह जगह पर श्रद्धालुओं प्रभात फेरी को रोककर राधा संकीर्तन रथ में राधे राधे का उच्चारण कर एक लय में राधा रानी का जयकारा लगाया।

बसस्टैंड के सामने बीच सड़क पर खड़े हो रहे ऑटो, दिनभर में कई बार हो जाती है सड़क जाम

- प्राइवेट चालक भी सवारी बैठाने के चक्कर में बीच सड़क पर खड़ी कर देते हैं बसें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। बस स्टैंड के सामने बीच सड़क पर खड़े ऑटो। फोटो: हरिभूमि

ऑटो के कारण शहर के मुख्य बस अड्डे के सामने जाम की स्थिति बनी रहती है। कई बार तो जाम ऐसे लगता है कि दुपहिया व चार पहिया वाहन तो क्या, पैदल चलने वालों को भी गुजरना मुश्किल भरा हो जाता है। इस बारे में न तो बस अड्डा प्रशासन और न ही यातायात पुलिस इस ओर ध्यान दे रही है, जिसके कारण रोजाना राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा बस स्टैंड के मुख्यद्वार पर प्राईवेट बसें सवारियों के लिए बीच सड़क पर खड़ी कर देते हैं, जिसके चलते सड़क पर जाम लग जाता है।

बता दें कि महेंद्रगढ़ बस स्टैंड से रोजाना हजारों की संख्या में यात्री आसपास के गांवों से लेकर, राजस्थान, पंजाब चंडीगढ़ और दिल्ली की तरफ सफर करते हैं। इनमें सबसे ज्यादा संख्या रेवाड़ी, जयपुर व दादरी की तरफ जाने वाले यात्रियों की होती है। इसके बाद साथ लगते प्रदेश राजस्थान की तरफ भी अच्छी खासी संख्या में यात्री सफर करते हैं।

बस स्टैंड से रोडवेज की बसों के साथ-साथ निजी बसें भी गुजरतीं हैं। ऐसे में कई बार बस स्टैंड से बस बाहर निकालने के साथ उसे सवारी चढ़ाने के लिए गेट के सामने खड़ा कर देते हैं। जिससे कई बार मुख्य रोड पर जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। इसके अलावा बस स्टैंड स्थित रोड पर जाम का दूसरा मुख्य कारण आटो चालक बनते हैं।

ज्यादा से ज्यादा यात्रियों बैठाने के चक्कर में वे अपने आटो को होड़ में एक-दूसरे के आगे लगा देते हैं। जिसके कारण वहां पर जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। वहीं यात्रियों को आवागमन में कोई परेशानी न हो इसके लिए पुलिस द्वारा नियम बनाए गए हैं। लेकिन इन्हीं नियमों को ताक में रखकर प्राईवेट बस और आटो चालक इनका पालन नहीं करते। जिसके कारण यह अव्यवस्था बनती है। इसके अलावा पुलिस द्वारा समय-समय पर ऑटो को सहीं ढ़ग से खड़ा करने के निर्देश भी दिए जाते हैं।

बच्चों की दैनिक दिनचर्या पर नजर रखें अभिभावक : राजपाल लंबोरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। पीटीएम में अभिभावकों को बच्चों की प्रोग्रेस रिपोर्ट देते शिक्षक।

लंबोरिया एकेडमी बूढ़वाल में शिक्षक अभिभावकों की बैठक संस्था के निदेशक राजपाल लंबोरा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें अभिभावकों को बच्चों की मासिक रिपोर्ट से अवगत कराया तथा स्कूल में होने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। अभिभावकों को बच्चों की दैनिक दिनचर्या पर विशेष नजर रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि महंगे स्कूलों में दाखिला करवाने मात्र से बच्चों का परीक्षा परिणाम बेहतर नहीं मिल सकता। इसके लिए अभिभावकों को बच्चों और शिक्षकों के साथ संपर्क बनाए रखना जरूरी है। हर महीने स्कूल में आकर मासिक प्रोग्रेस रिपोर्ट तथा उपस्थिति कार्ड अवश्य चेक करें, क्योंकि खराब संगत में फंसकर कई बच्चे रास्ते से भटक जाते हैं और अनैतिक गतिविधियों में संलिप्त हो जाते हैं। बचाव के लिए स्कूल में हर महीने शिक्षक अभिभावक बैठक निर्धारित की गई है। जिसमें प्रत्येक बच्चे की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के साथ अनुशासन पर मंथन किया जाता है। उन्होंने तर्क दिया कि मंथली परीक्षा से बच्चों को तैयारी का आंकलन हो जाता है तथा प्रदर्शन में सुधार लाने की प्रेरणा मिलती है। इसके बाद मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

नारनौल। बैठक करते समिति सदस्य। फोटो : हरिभूमि

जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाएंगे गर्म वस्त्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

श्री गोमाता युवा उपचार सेवा समिति की बैठक संरक्षक अमित चौधरी की अध्यक्षता में हुई। दीपक सर्राफ ने बताया कि आने वाले दिनों में ठंड की आहट शुरू हो रही है। जिसमें आपकी दुकानों व घरों से निकलने वाले गर्म कपड़े, कंबल, जूते जो पहने जा सकें। वह आप सभी के सहयोग से हम खुले में रह रहे जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाएंगे, जो उनको ठंड से बचाएंगे। इसलिए लोगों ने पिछले सात सालों में सहयोग किया है, इस बार भी सहयोग करें, ताकि आपके पुराने गर्म कपड़े जो पहनने लायक हो उन लोगों तक पहुंच सकें व उनके काम आ सकें। इसलिए आप कपड़े गोमाता उपचारशाला स्टेडियम के पास में पहुंचा सकते हैं। इस मौके पर खजांची नीरज गर्ग, राकेश कुमार, नीरज गर्ग, शिवकुमार मित्तल, सतीश भल्ला, निलेश संघी, तरुण अग्रवाल आदि सदस्य मौजूद थे।

हकेंवि ने राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय को छह विकेट से हराया

महेंद्रगढ़। मैच जीतने बाद हकेंवि की स्टाफ क्रिकेट टीम के खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

- 20वें आल इंडिया वीसी कप 2024 के लीग मैच में हकेंवि ने किया शानदार प्रदर्शन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्टाफ क्रिकेट टीम ने राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय की टीम को छह विकेट से करारी शिकस्त दी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पंजाब विश्वविद्यालय व हरियाणा कृषि विश्वविद्याय में आयोजित 20वें आल इंडिया वीसी कप-2024 में विश्वविद्यालय की स्टाफ क्रिकेट टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए टीम के खिलाड़ियों को बधाई दी। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी टीम को बधाई दी। विश्वविद्यालय स्टाफ क्रिकेट टीम के कप्तान दिनेश सिंह चौहान ने बताया कि राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के साथ मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय ने 20 ओवरों में 106 रन बनाकर आल आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए हकेंवि की टीम ने चार विकेट खोकर जीत का लक्ष्य हासिल किया। मैच में हकेंवि के संजीव कुमार को मैन आफ द मैच का खिताब मिला। संजीव कुमार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 04 ओवर में 15 रन देकर 05 विकेट लिए। डॉ. सुमित सैनी ने 37 रनों की शानदार पारी खेली।

मकान का ताला तोड़ नकदी व आभूषण किए चोरी

कनीना। सर्दी का मौसम शुरू होने से पूर्व बढ़ती चोरी की घटनाओं से आम आदमी सहमा हुआ है। जिसे लेकर माना जा रहा है कि चोरों में पुलिस प्रशासन का भय नहीं रहा है। खंड के गांव खेड़ी तलवाना में एक मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने मोबाइल फोन व 65 हजार रुपये की नकदी सहित आभूषण चोरी कर लिए। खेड़ी तलवाना का परिवार गुरुग्राम में आयोजित सामाजिक समारोह में हिस्सा लेने गया था, पीछे से चोरों ने वारदात को अंजाम दे दिया। इस बारे में सुबेसिंह ने सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 18 अक्टूबर को सुबह करीग 11 बजे गुरुग्राम में एक कुआं पूजन समारोह में हिस्सा लेने गया था। 19 अक्टूबर को सुबह आकर देखा तो मकान का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर जांच की तो कपड़े बिखरे पड़े थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

शिक्षा ही व्यक्ति को ले जाती है आगे बढ़ने के अवसर की ओर : टीकाराम जूली

- काठूवास में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले विद्यार्थियों व प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए राजस्थान के नेता प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली व अन्य। फोटो : हरिभूमि

मेघवाल विकास समिति मांढण की ओर से रविवार को काठूवास में प्रथम मेघवाल प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। सम्मान समारोह में मेघवाल समाज के विभिन्न क्षेत्रों में 70 से अधिक उदयीमान व प्रतिभावान विद्यार्थियों व प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। समारोह में राजस्थान में कांग्रेस के प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली मुख्य अतिथि थे, जबकि समिति के अध्यक्ष एमआर सांवरिया रहे। समारोह में विभिन्न समिति के कोषाध्यक्ष रिटायर्ड मैनेजर कृष्ण बाबू व गजराज यादव मेघवाल ने आने वाले का अभिनंदन किया। समिति के संरक्षक कप्तान अमर सिंह ने मेघवाल विकास समिति मांढण के संस्थापक दिवंगत लेखराम सरपंच के अतुलनीय प्रयासों को भी याद किया गया। इस मौके पर सामाजिक बुराइयों को छोड़ कर अच्छाइयों को अपनाने का संकल्प लिया गया।

प्रतिभावान व विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कांग्रेस के प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि शिक्षा ही व्यक्ति को आगे बढ़ने के अवसर विकास की ओर ले जाती है। गुणात्मक व वैज्ञानिक शिक्षा के बल पर मानव जीवन को दूसरे प्राणियों से अलग व विशेष बनाती है। मेघवाल समाज बाबा साहब अंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ाने वाला है तथा दर्शन को घर-घर तक पहुंचाने के लिए समाज के अलग-अलग संगठन कार्य कर रहे हैं। समाज के प्रतिभावान व उदयीमान प्रतिभाओं को एक प्लेटफार्म मुहैया करवाने से समाज की दूसरे युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। समाज को भविष्य में किसी प्रकार के सहयोग व जरूरत को वह पूरा करने के लिए हर समय तैयार रहेंगे। उन्होंने सामाजिक बुराईयां जैसे मृत्यु भोज, दहेज, नशा आदि को छोड़ कर शिक्षा बालिका व बालक शिक्षा पर जोर दिया। सम्मानित होने वाली प्रतिभाओं में साक्षी, पारूल, तनुज कुमार, भारती, निधि, चकिता गोठवाल, दिव्या, प्रीति, जोनू, पूजा कुमार, मोहित, प्रिया कुमारी, निकिता व साक्षी आदि शामिल रहे। मंच संचालन सुंदरलाल भटेडिया ने किया। इस मौके पर कांग्रेसी नेता संजीव बारेठ, मास्टर सुंदरलाल, गजराज मेघवाल, रिटायर्ड डिप्टी डायरेक्टर लक्ष्मण प्रसाद, सुंदरलाल भटेड़िया, समिति के संरक्षक कप्तान अमर सिंह, एलआईसी के मंडल अधिकारी ईश्वर सिंह, मोहनलाल गोठवाल, कैप्टन फुल सिंह, मदन सरपंच, रिटायर्ड हेडमास्टर सुंदरलाल, महासचिव एडवोकेट पीतांबर, एडवोकेट सुभाष, मास्टर सुनील कुमार, मांगेराम, सुरेश कुमार, प्राचार्य जितेंद्र, किरोडी, सिकंदर, जगदीश प्रसाद व शिव कुमार कान्हावास समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।